B.A. - I (CBCS Pattern) Semester-II

BA12A2-3 - Compulsory Pali

P. Pages : 5 | GUG/W/24/10027

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अतीते पठमकाले चतुप्पदा सीहं राजानं आकंसु, मच्छा आनन्द मच्छं, सकुणा सुवणहसं। तस्स पन सुवणहसंस्स धीता हंसपोतिका अभिरुपा अहोसि। सो तस्सा वरं अदासि। सा अन्तनो चित्तरुचित्त सामिकं वारेसि। हंसराजा तस्सा वरं दत्वा हिमवन्ते सब्ब सकुण सन्तिपातापेसि। नानप्पकारा हंसभारादयो सकुणगणा समागन्त्वा एकस्मिं महंत पासाणातले सन्निपतिसु। 'हंसराजा' अत्तनो चित्तरुचित सामिकं आगन्तवा गहतू ति धीतरं पक्कोसापेसि। सा सकूणसंघ आलोकेन्ती मणिपण्णगीतं चित्तपेक्खुणं मोरं दिस्वा अयं मं सामिको होतू ति रांचेसि।

किंवा / अथवा

एकमन्त निसिन्नो खो राजा पसेनदि कोसलो भगवा एतदवोच - "कति नु खो, भन्ते, लोकस्स, धम्मा उप्पज्जमाना उप्पज्जन्ति अहिताय दुक्खाय अफासुविहाराया' ति? 'तयो खो, महाराज, लोकस्स धम्मा उप्पज्जमाना उप्पज्जन्ति अहिताय दुक्खाय अफासुविहाराय। कतमे तयो? लोभो खो, महाराज, लोकस्स धम्मो उप्पज्जमानो उप्पज्जति अहिताय दुक्खाय अफासुविहाराय। दोसो खो, महाराज, लोकस्स धम्मो उप्पज्जमानो उप्पज्जति अहिताय दुक्खाय अफासुविहाराय। मोहो खो महाराज लोकस्स धम्मो उप्पज्जमानो उप्पज्जति अहिताय दुक्खाय अफासुविहाराय खो, महाराज, तयो लोकस्स धम्मा उप्पज्जमाना उप्पज्जन्ति।

ब) मल्लिकासुत्तांचे कथानक तुमच्या शब्दात लिहा. **6**
मल्लिकासुत्त का कथानक तुम्हारे शब्दों में लिखिए।

किंवा / अथवा

कुरुड़मिग जातकाचा सारांश लिहा.
कुरुड़मिग जातक का सार लिखिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**

ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) सीलमेविध सिक्खेथ, अस्मिं लोके सुसिक्खितं।
सीलं हि सब्बसम्पत्ति, उपनामेति सेवितं॥

2) सीलं रक्खेय्य मेधावी, पत्थयानो तयो सुखे।
पसंसं वित्तिलाभं च, पेच्च सग्गे पमोदनं॥

3) सीलवा हि बहू मित्ते, सञ्ञमेनाधिगच्छति।
दुस्सीलो पन मित्तेहि, धंसते पापमाचरं॥

4) अवण्णं च अकित्तिं च, दुस्सिलो लभते नरो।
वण्णं कित्ति पसंसं च, सदा लभति सीलवा॥

किंवा / अथवा

1) तथं नु वितथं नेतं हन्द विमंसयामि तं
मुहुत्तं आगयेय्याथ याव जानामि तं मनन्ति॥

2) पवेधमानो फलितसिरो वलितगत्तो जरातुरो।
अन्धवण्णो' व हुत्वान राजानं उपसङ्कमि॥

3) सो तदा पग्गहेत्वान वामं दक्खिणबाहु च
सिरस्मिं अज्जलिं कत्वा इदं वचनमब्रवि॥

4) याचामि तं महाराज धम्मिकर वट्ठट्ठन।
तव दानरता कित्ति उग्गता देवमानुसो॥

ब) सुनितथेर यांचे जीवनपट सांगा. **6**

सुनितथेर इनका जीवनपट बताईए।

किंवा / अथवा

सङ्ख ब्राह्मण पुण्य कसे संपादित करतो सांगा.

सङ्ख ब्राह्मण पुण्य कैसे संपादित करता है बताईए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**

ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

"सति, महाराज, उप्पज्जमाना कुसलाकुसल सावज्जानवज्ज ही नप्पणीत कण्हसुक्कसप्पटिभाग अप्पटिभागधम्मे अपिलापेति इमे चत्तरो सतिपट्ठाना, इमे चत्तारो सम्मप्पधाना इमे चत्तारो इध्दिपादा, इमानि पञ्चिन्द्रियानि, इमानि पञ्च बलानि, इमे सत्त बोज्झङ्गा अयं अरियो अट्ठङ्गिकोमग्गो, अयं समधो, अयं विपस्सना अयं विज्जा, अयं विमुत्ती ति; ततो योगावचरो सेविसब्बे धम्मे सेवति, असेवितब्बे धम्मे न सेवत्ति; भजितब्बे धम्मे भजति, अभजितब्बे धम्मे न भजति। एवं खो, महाराज, अपिलांपनलक्खणा सति' ति। "ओपम्मं करोही" ति। 'यथा, महाराज, रञ्ञो चक्कवत्तिस्स भण्डागारिको राजानं चक्कवत्ति सायम्पतांत यसं सरापेति।

किंवा / अथवा

"एवं सत्तविधमेथुनसंयोगवसेन। वुत्तं हि भगवता इथ, ब्राह्मण, एकच्चो समणो वा ब्राह्मणो वा सम्मा ब्रह्मचारी पटिजानमानो न हेव खो मातुगामेन सध्दिं व्दधन्दथसमापत्ति समापज्जात्ति, अपि च खो मातुगामस्स उच्छादनं परिभद्दनं न्हापनं सम्बाहनं सादियति, सो तदस्सादेति, तं निकामेति, तेन च, वित्तिं, आपज्जति। इदं पि खो, ब्राह्मण, ब्रह्मचरियस्स खण्डं पि छिद्दं पि सबलं पि कम्मासं पि। अयं वुच्चति। ब्राह्मण, अपरिसुध्दं ब्रह्मचरियं चरति संयुत्तो मेथुनेन, संयोगेन न परिमुच्चति जातिया, जराय, मरणेन ---- पे ------ न परिमुच्चति दुक्खस्माति वदामि।

ब) अनुपिटक साहित्यात 'मिलिंदपञ्हो' चे महत्त्वं सांगा. **6**

अनुपिटक साहित्य में 'मिलिंदपञ्हो' का महत्त्वं बताईए।

किंवा / अथवा

'सीलस्ससङ्किलेसो' चा अर्थ सांगून त्याची कारणे सांगा.

'सीलस्ससङ्किलेसो' का अर्थ बतलाकर उसके कारण बताईए।

4. अ) विभक्ती प्रत्यय लिहा **कोणतेही एक.** **4**

विभक्ती प्रत्यय लिखिए **कोई भी एक।**

1) मुनि 2) रत्ति

3) अट्ठि 4) भिक्खु

ब) धातुचे पच्चुपन्ना काळातील रुपे लिहा **कोणतेही दोन.** **4**

धातु के पच्चुपन्नाकाल के रुप लिखिए **कोई भी दो।**

1) लिख 2) छिन्द

3) चिन्त 4) गन्थ

क) स्वीकृत माध्यमातून भाषांतर करा. **4**
स्वीकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।

1) सो भत्तं पिण्डेति।
2) वाणिजों भरियं पोसेति।
3) अहं तुम्हे वन्दामि।
4) भिक्खवो पुफ्फेहि बुध्दं पूजेति।

ड) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।

1) मुनि गावात जातात.
मुनि गांव में जाते है।

2) मूले धम्मपद वाचतात.
बच्चे धम्मपद पढ़ते है।

3) आम्ही महाविद्यालयात जातो.
हम महाविद्यालय में जाते है।

4) स्त्री घरी काम करते.
स्त्री घर में काम करती है।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) जातक
2) संयुत्तनिकाय
3) थेरगाथा
4) चरियपिटक

ब) योग्य पर्याय लिहा. **10**
योग्य पर्याय लिखिए।

1) जातक कथा किती आहेत?
जातक कथा कितनी है?
अ) 546
ब) 547
क) 548
ड) 549

2) जातक कथा कुठे येतात?
जातक कथा कहाँ आती है?
अ) खुद्दकनिकाय
ब) संयुत्तनिकाय
क) मज्झिमनिकाय
ड) धम्मपद

3) मल्लिका राणीच्या राजधानीचे शहर कोणते?
मल्लिका राणी के राजधानी का शहर कौनसा?

अ) वैशाली ब) श्रावस्ती
क) राजगृह ड) नालंदा

4) लोकसुत्तं कुठे येते?
लोकसुत्तं कहाँ आता है?

अ) संयुत्तनिकाय ब) अंगुत्तरनिकाय
क) मज्झिमनिकाय ड) दीघनिकाय

5) थेरगाथा ग्रंथ कुठे येतो?
थेरगाथा ग्रंथ कहाँ आता है।

अ) खुद्दकपाठ ब) खुद्दकनिकाय
क) संयुत्तनिकाय ड) जातक

6) सीलवत्थथेर कोणत्या विषयांवर बोलतो?
सीलवत्थ थेर किस विषयपर बोलता है?

अ) राग ब) व्देष
क) मोह ड) सील

7) संङ्ख ब्राह्मणाने कोणती पारमिता पूर्ण केली?
संङ्ख ब्राह्मण ने कौनसी पारमिता पूरी की?

अ) दान ब) सील
क) प्रज्ञा ड) सत्य

8) सिवीराज चरिय कोणत्या ग्रंथात येते?
सिवीराज चरियं किस ग्रंथ में आता है?

अ) वंससाहित्य ब) दंतसाहित्य
क) चरियपिटक ड) अनुपिटक

9) सतिलक्खणपञ्होचा विषय कोणता आहे?
सतिलक्खणपञ्हो का विषय कौनसा है?

अ) दान ब) स्मृती
क) प्रेम ड) क्रोध

10) 'सीलस्ससडिकलेसो' कुठे येते?
'सीलस्ससडिकलेसो' कहाँ आता है?

अ) मिलिन्दपञ्हो ब) विशुध्दीमग्ग
क) चरियपिटक ड) सिवीराजचरियं

****